रक्षा मंत्रालय में उप मंत्री (श्री के०पी० सिंह देव): (क) और (ख). ऊर्जा तथा पैट्रोलियम मंत्रालय ने पैट्रोलियम उत्पादों की एजेंसियों के आवंटन के मामले में शारीरिक रूप से अपंग व्यक्तियों, युद्ध में वीरगति प्राप्त सैनिकों की पत्नियों और नेत्रहीन कार्मिकों तथा युद्ध में निशक्त हुये कार्मिकों के लिए 15 प्रतिशत आरक्षण किया है। युद्ध में वीरगति प्राप्त सैनिकों की पत्नियों।युद्ध में निशक्त हुचेवा कार्मिकों और भूतपूर्व सैनिकों के लिए अलग से और विशेष रूप से कोई आरक्षण नहीं किया गया है। समाचार पत्रों में विज्ञापन के जद्वारा सम्बन्धित आयल कम्पनी इन एजेंसियों के लिए प्रार्थनय पत्र आमन्त्रित करती है और पैट्रोलियम विभाग द्वारा इसका सीधे आवंटन किया जाता है।

जहां तक भूतपूर्व सैनिकों को रेलवे कैंटीन/स्टाल आदि के आवंटन का प्रश्न जब कभी बेंडिंग कन्ट्रेक्टरों के लिए निविदायें आमंत्रित करने के बारे में क्षेत्रीय रेलवे प्रवन्धकों से सूचना प्राप्त होती है, राज्य सैनिक बोर्डों/जला सैनिक बोर्डों के माध्यम से भूतपूर्व सैनिकों में उसका पर्याप्त प्रचार किया जाता है ताकि वे इस प्रकार की निविदाओं के लिए आवंदन कर सकें।

नए चाय बागान

1029. श्री निहाल सिंह: क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या चाय बोर्ड ने देश के विभिन्न भोगों में चाय के बागानों के लिए कुछ नए स्थानों का पता लगाया गया है; और

(ख) यदि हां, तो ऐसे स्थानों के नाम क्या हैं?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पीह० ए० सगमाहः) (क) जी, हां।

(ख) नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम, अरुणांचल प्रदेश, मेघालय, उड़ीसा, मध्य प्रदेश तथा कर्नाटक।

Non-production of Small Coins

1031. SHRIMATI MADHURI SINGH: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government had stopped the manufacture of one, two and three paise coins and now also propose to stop manufacturing five paise coins;

(b) if so, the reasons therefor and steps taken to help the public in the problem created by the non-production of these coins;

(c) whether Government propose to formulate a currency structure, combind with economy, efficiency and security; and

(d) if so, the details thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHANA POOJARY): (a) to (d) Currency structure already in vogue is constantly reviewed on the basis of demand for and utility of notes and coins of different denominations, their cost of manufacture and the expenditure involved in the distribution, retrieval and destruction of notes. The metallic content of coins is determined from time to time taking into account the cost metal and also keeping in view the need both to discourage counter-feiting and melting of coins. For instance, in view of the fall in the demand for low denomination coins, the minting of 1 Pasia and 3 Paise coins was discontinued from 1973-74 and that of 2 Paise coin from 1979-80. It has also been decided recently to reduce the dimensions of 10

Paise coins as a measure of econmy and also to re-introduce a 20 Paise coin in aluminium-magnesium alloy so as to keep down the cost of manufacture of small coins. Similarly, a decision has been taken recently to phase out the 1 and 2 rupee notes by stepping up the output of one rupee coins (with reduced dimensions) and the introduction of a 2 rupee coin as minting of coins is found to be more economical in the long run. On the currency side, the introduction of 50 rupee notes, as an intermediate denomination between 20 rupee and 100 rupee notes, was decided upon so as to meet the growing requirements of currency.

The production programme both for currency and coins is determined from year to year on the basis of the forecast made by the Reserve Bank of India and after taking into account the constraints on the production capacity in the presses and mints.

All efforts are being made to steps up the availability of small coins. There is no proposal under consideration to discontinue the minting of 5 Paise coins.

समुद्री मछली उद्योग विकास संबंधी कृतक बल की रिपोर्ट

1032. **श्री मोती भाई आर० चौधरी :**
श्री राम सिंह यादव :
श्री रवीन्द्र वर्मा :
श्री बापूसाहिब पढलेकर :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या उनके मंत्रालय ने समुद्री मछली उद्योग के विकास की संभावनाओं का पता लगाने के लिए 1981 में कोई कृतक बल नियुक्त किया था ;

(ख) यदि हां, तो क्या उस कृतक बल ने सरकार को रिपोर्ट भेज दी है ; और

(ग) यदि हां, तो कृतक बल की सिफ़ारिशों पर सरकार द्वारा की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी० ए० संगमा) : (क) कुछ आधारभूत समस्याओं का अध्ययन करने के लिए, जो समुद्री उत्पादों के निर्यातों की वृद्धि के बारे में अनुभव की गई हैं, अप्रैल, 1981 में वाणिज्य मंत्रालय में समुद्री उत्पादों के सम्बन्ध में एक टास्क फ़ोर्स स्थापित किया गया था ।

(ख) जी, हां ।

(ग) यह मंत्रालय टास्क फ़ोर्स द्वारा की गई सिफारिशों की जांच कर रहा है ।

थोक मूल्य सूचकांक में वृद्धि

1033. **श्री मोती भाई आर० चौधरी :**
प्रो० रूप चन्द पाल :
श्री वीरेन्द्र वर्मा :
श्री बापूसाहिब पढलेकर :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंग जकि :

(क) क्या यह सच है कि थोक मूल्य सूचकांक में अगस्त, 1982 में और वृद्धि हुई है ?

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और